बच्चादानी का प्रत्यारोपण

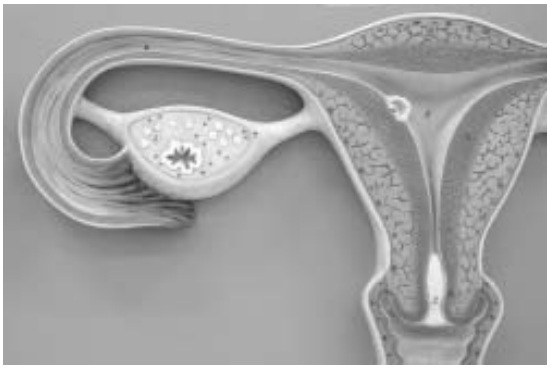

युनाइटेड किंगडम में बच्चादानी प्रत्यारोपण की स्वीकृति मिल गई है और अगले वर्ष परीक्षण के तौर पर 10 महिलाओं को बच्चादानी का प्रत्यारोपण किया जाएगा। वैसे स्वीडन में बच्चादानी प्रत्यारोपण में सफलता मिलने के बाद ही इसकी अनुमति दी गई है।

दरअसल यह उपचार उन महिलाओं के लिए विकसित किया गया है जिनकी बच्चादानी या तो होती नहीं या ठीक से काम नहीं करती। एक अनुमान के मुताबिक करीब 5000 में से एक महिला बच्चादानी के बगैर ही जन्म लेती है और इसके अलावा कई महिलाओं की बच्चादानी को स्वास्थ्य सम्बंधी कारणों से निकाल देना पड़ता है।

बच्चादानी प्रत्यारोपण परीक्षण की अनुमति यूके की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा के स्वास्थ्य अनुसंधान प्राधिकरण द्वारा कुछ शर्तों के अधीन दी गई है। यह उपचार 24 से 38 वर्ष की उन महिलाओं को उपलब्ध हो सकेगा जो दीर्घकालिक सम्बंध में जुड़ी हैं और जिनके अंडाशय स्वस्थ हैं और जो अपने अंडों का उपयोग गर्भधारण के लिए कर सकती हैं। 40 वर्ष तक की महिलाओं को भी बच्चादानी प्रत्यारोपण की अनुमति होगी बशर्ते कि उन्होंने 38 वर्ष की उम्र से पहले अपने अंडे फ्रीज़ करवाकर रख दिए हों।

इससे पहले स्वीडन में 2013 में इस उपचार की अनुमति दी गई थी। वहां गोथेनबर्ग विश्वविद्यालय के मैट्स ब्रेनस्ट्रॉम ने 9 महिलाओं में बच्चादानी का प्रत्यारोपण किया है। दो महिलाओं के शरीर ने प्रत्यारोपित बच्चादानी को अस्वीकार कर दिया था जबकि 4 गर्भवती हुई और पहला शिशु जन्म 2014 में रिपोर्ट किया गया था। ब्रेनस्ट्रॉम की टीम ने प्रत्यारोपण के लिए जो बच्चादानियां इस्तेमाल की थीं वे किसी बुज़ुर्ग रिश्तेदार द्वारा दी गई थीं। सारी दानदाताओं के अपने बच्चे हो चुके थे। दरअसल स्वीडन के प्रयोग में जो पहला बच्चा पैदा हुआ था वह 61 वर्षीय महिला की बच्चादानी में विकसित हुआ था।

इस प्रक्रिया में गौरतलब बात यह है कि जहां बाकी सारे अंगों का प्रत्यारोपण उम्र भर के लिए किया जाता है, वहीं प्रत्यारोपित बच्चादानी को एक प्रसव होने के 6 माह बाद निकाल दिया जाएगा। हां, यदि महिला एक और बच्चा चाहे, तो बच्चादानी को लगा रहने दिया जाएगा। सारी प्रसूतियां सिज़ेरियन ऑपरेशन की मदद से होंगी और प्रत्यारोपण के बाद महिलाओं को दवाइयां खानी पड़ेंगी ताकि शरीर पराई बच्चादानी को अस्वीकार न करे। ***(स्रोत फीचर्स)***